>

Title: Regarding pathetic condition of Indian Labour in Angola in South Africa.

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): मैं इसको पढ़ देता हूं, यह संक्षिप्त हो जायेगा।

माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। अभी यह मामला राज्य सभा में भी उठा है कि हमारे यहां के भारतवर्ष के करीब 1200 मजदूर, कामगार जो दक्षिण अफ्रीका के अंगोला में गये। भारतीयों की कहानी बेहद कारुणिक है। युगांडा से करीब 100 किलोमीटर दूर एक सीमेंट फैक्टरी में वे कामगार काम करते थे। ओवर टाइम का उन्होंने जो काम किया था, उसका वे भुगतान मांग रहे थे। भुगतान मांगने को लेकर मामला तूल पकड़ा और झगड़ा हुआ। पुलिस ने वहां पर फायरिंग भी की। उसमें काफी भारतीय मजदूर घायल भी हुए और सैंकड़ों को हिरासत में लिया गया। यही नहीं अनेक आदमी पुलिस से बचने के लिए जंगल में भाग गये। अब वे वहां भटक रहे हैं, जिसमें बिहार के लोग थे, आंध्र प्रदेश के लोग थे और गुजरात के लोग थे। मैं कहना चाहूंगा कि केवल भावुकता के चश्मे से न देखें, बल्कि रोजगार की तलाश में हजारों किलोमीटर दूर गये मजदूरों की भारत वापसी, स्वदेश लौटाने की कोशिश इस सरकार को करनी चाहिए। साथ ही साथ जिस तंत्र ने उन्हें वहां भेजा है, उन्हें बेनकाब करिए। कौन सी ऐसी ऐजेंसी के लोग थे, कौन से ऐसे दलाल थे, जिन्होंने इस प्रकार से लोगों को भेजने का काम किया और विदेशों में भटकने के लिए उन्हें वहां पर छोड़ा। वर्क परमिट के बजाय उन्हें विजिटर परमिट के जरिये वहां पहुंचाया गया। आज उनके पास यह भी सुबूत नहीं है कि वे भारतीय होने का सुबूत पेश कर सकें। यही कारण है कि एजेंसी द्वारा रोजगार के सब्जबाग दिखाये जाने पर कर्ज लेकर विदेश जाते हैं और वहां पहुंचते ही वे हिरासत में ले लिये जाते हैं। अनेक प्रकार के उदाहरण इसके पहले भी इस सदन में आ चुके हैं। उनको काम कुछ बताते हैं और वहां उनसे कुछ और काम कराया जाता है। ऐसी एजेंसी के लोगों को चिन्हित करना चाहिए कि ऐसे लोग जो गलत काम कर रहे हैं, उनके लाइसेंस जब्त किये जायें और जो भी मजदूर वहां पर गये हैं, एक-एक मजदूर को, जो 1200 मजदूर गये हैं, उनको वापस लाने के लिए केंद्र सरकार व्यवस्था करें। मैं मांग करना चाहूंगा कि माननीय विदेश मंत्री को यहां आकर जवाब देना चाहिए। 1200 कामगार मजदूर कोई मामूली संख्या नहीं है, यह बड़ी संख्या है। विदेश मंत्री यहां आकर जवाब दें। उनके बच्चे और उनके घर वाले काफी चिंतित हैं।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।